लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 556
03 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र क्षेत्र को प्रोत्साहन

556. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में वस्त्र क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न राज्यों के साथ किसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये समझौता ज्ञापन वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट अप योजना का हिस्सा हैं;

(ग) क्या उक्त योजना वस्त्र संबंधी सांख्यिकीय उत्पादों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए बनाई गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): जी हाँ, 27 जनवरी, 2026 तक, वस्त्र मंत्रालय ने "टेक्सटाइल्स फोकस्ड अनुसंधान, आंकलन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-रैम्प्स)" योजना के तहत 15 राज्य सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) और (घ): जी हाँ, भारत सरकार ने टेक्सटाइल्स फोकस्ड अनुसंधान, आंकलन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-रैम्प्स) स्कीम को मंज़ूरी दी है, जिसके लिए छह वर्षों (वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31) में 305 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। टैक्स-रैम्प्स के पाँच घटक हैं:

1. अनुसंधान और प्रसार – स्मार्ट टेक्सटाइल, सस्टेनेबिलिटी, उत्पादन क्षमता आदि में लक्षित अनुसंधान को सहायता करना।
2. आंकलन और मूल्यांकन अध्ययन – क्षेत्र विश्लेषण, ट्रेंड फोरकास्टिंग और आपूर्ति श्रृंखला का विश्लेषण करना।
3. निगरानी और सांख्यिकीय प्रणाली – डाटा संग्रह और एनालिटिक्स को मजबूत करना।
4. योजना और क्षमता विकास – इवेंट्स और सहयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय/राज्य-स्तरीय टेक्सटाइल प्लानिंग और स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट को सहायता प्रदान करना।
5. स्टार्टअप और इनोवेशन – इनक्यूबेटर, हैकाथॉन और एकेडेमिया-इंडस्ट्री पार्टनरशिप के माध्यम से इनोवेशन को बढ़ावा देना, जिसमें उच्च मूल्य और निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों पर फोकस करना।

***